



तर प्रभावितहरूको संख्या कम हुने गरेको छ । विशेष गरी कपुरकोट, श्रीनगर, सल्लीबजार, धारमारे, बाङ्गोलाँखुरी, खलंगाबजार जस्ता विकसित क्षेत्रहरु उच्च जोखिममा देखिएका छन् । विगत ६ वर्षको आगलागीको विवरण निम्नानुसार रहेको छ ।

| क्र.सं. | आर्थिक वर्ष | प्रभावित घरधुरी र जनसंख्या | | | | मानवीय क्षति | | |
|---------|-------------|----------------------------|-------|-------|-----------|--------------|--------|-------|
| | | घरधुरी | महिला | पुरुष | बालबालिका | जम्मा | मृत्यु | घाइते |
| 1 | २०६९/०७० | ४३ | ११५ | १०० | | २१५ | ० | |
| 2 | २०७०/०७१ | ३४ | ७५ | ८० | | १५५ | | |
| 3 | २०७१/०७२ | ४३ | ९५ | १२५ | | २२० | | |
| 4 | २०७२/०७३ | ६३ | ० | ० | ० | ० | २ | |
| 5 | २०७३/०७४ | ४३ | ० | ० | ० | ० | १ | २ |
| 6 | २०७४/०७५ | ६९ | ० | ० | ० | ० | | |
| 7 | २०७५/०७६ | २९ | | | | | ३ | |
| ८ | २०७६/०७७ | ९५ | ४२ | ४९ | | ९१ | १ | ० |
| ९ | २०७७/०७८ | ६३ | १५७ | १८९ | | ३४६ | ४ | ५ |

श्रोत : जिल्ला प्रहरी कार्यालय सल्यान र नेपाल रेडक्रस सोसाइटी सल्यान जिल्ला शाखा

२.५.५ बाढी र पहिरो

जिल्लाको प्रमुख व्यापारिक केन्द्र तथा जिल्लाको प्रवेशद्वारमा रहेको कपुरकोटको भूस्खलनले केही घरहरु विस्थापित भएका छन् । साविक मुलखोला गा.वि.स.को वडा नं २ ब्यूरेनीमा रहेको पहिरोले पनि पूरै समुदाय लगायत गर्चे बजारलाई समेत प्रभाव पार्ने गरेको छ । यस्तै जिल्लाको स्वीकोट, मर्मपरिकाँडा र शिवरथ तथा बाफुखोला लगायतका स्थानमा जाने पहिरोले पनि त्यस समुदायमा जोखिम बढाएको छ ।

| क्र.सं. | आर्थिक वर्ष | प्रभावित घरधुरी र जनसंख्या | | | | मानवीय क्षति | | |
|---------|-------------|----------------------------|-------|-------|-----------|--------------|--------|-------|
| | | घरधुरी | महिला | पुरुष | बालबालिका | जम्मा | मृत्यु | घाइते |
| १ | २०६९-२०७० | ९० | २०५ | १५० | ३४ | ३८९ | ३ | १ |
| २ | २०७०-२०७१ | ११८ | २६७ | २०३ | १२० | ५९० | ५ | २ |
| ३ | २०७१-२०७२ | ६९१ | २६० | २३१८ | १०३६ | ३६१४ | ११ | १ |
| ४ | २०७२-२०७३ | ० | ० | ० | ० | ० | ० | ० |
| ५ | २०७३-२०७४ | ३ | ० | ० | ० | ० | १ | ० |
| ६ | २०७४-२०७५ | ११६ | ० | ० | ० | ० | २ | ० |
| ७ | २०७५/०७६ | ६४ | ० | ० | ० | ० | ९ | |
| ८ | २०७६/०७७ | ९७ | ५८ | ५७ | ० | २०६ | ९८ | २९ |



| क्र.सं. | आर्थिक वर्ष | प्रभावितघरधुरीरजनसंख्या | | | | | मानवीय क्षति | |
|---------|-------------|-------------------------|-------|-------|-----------|-------|--------------|-------|
| | | घरधुरी | महिला | पुरुष | बालवालिका | जम्मा | मृत्यु | घाईते |
| ९ | २०७७/०७८ | ७३ | २०३ | १९८ | | ४०१ | २ | १ |

श्रोत : जिल्ला प्रहरी कार्यालय सल्यान र नेपाल रेडक्रस सोसाइटी सल्यान जिल्ला शाखा

२.५.६ महामारी (कोभिड १९)

विगत वर्षहरुको इतिहास हेर्ने हो भने यस जिल्लामा पटक पटक भाडापखालाको प्रकोपले महामारीको रूप लिएको पाइन्छ । २०६४ सालमा काल्चे, घाँजरी पिपल र बाभेकोटका ६०० जना प्रभावित, मृत्यु नभएको र २०६८, मा मर्म परिकाँडा, कालागाँउ, स्वीकोट र काप्रेचौरका १०६६ जना प्रभावित, ७ जनाको मृत्यु, रेडक्रस र युनिसेफले जीवन जल, क्लोरिन भोल वितरण गर्नुको साथै स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान गरेका थियो । सल्यान जिल्लामा अमेरिकी नियोगको आर्थिक सहयोगमा पहल, सुआहारा कार्यक्रम अर्न्तगत दलित विकास समाज, स्वास्थ्य सेवा कार्यालयले स्वास्थ्य क्षेत्रको विकासको लागि विभिन्न कार्य गरिरहेको छ । अन्य जिल्लाहरुमा जस्तै यस सल्यान जिल्लामा पनि सम्भावित महामारीको रूपमा भाडापखाला, आँउ, हैजा र विभिन्न समयमा हुनसक्ने, स्वाईन फ्लू, वर्ड फ्लू जस्ता प्रवृत्तिका सरुवा रोगहरु रहेका छन् भने हाल सन् २०२० को जनवरी देखि नै विश्वव्यापी रूपमा फैलिरहेको COVID-19 महामारी रोगको कहर सल्यान जिल्लामा पनि बढी रहेको छ र यसबाट जिल्लाभित्र ज्यान गुमाउनेको संख्या ५२ पुगेको छ ।

२.५.७ भूकम्प

विगतका वर्षहरुको विपद् पूर्व तयारी तथा प्रतिकार्य योजनामा भूकम्पीय विपद्लाई योजनाबद्ध रूपमा समावेश गर्न सकिएको थिएन । २०७२ वैशाख १२ गते गोरखा जिल्ला केन्द्र बनाएर आएको महाभूकम्पको प्रभाव सल्यान जिल्लामा पनि देखिएको थियो । भूकम्पबाट सल्यान जिल्लाको सदरमुकाम तथा ग्रामीण इलाकाहरुका घर निर्माण संरचनाको दृष्टिकोणबाट हेर्दा क्षति हुने पूर्वानुमान गर्न सकिन्छ । सदरमुकाम र बजार क्षेत्र विस्तार भएका स्थानहरुमा भवन निर्माण आचारसंहिता बमोजिम घर निर्माण नभएकोले सदरमुकाम तथा बजार क्षेत्र विस्तार भएका स्थानहरुमा भूकम्पीय सुरक्षाको दृष्टिकोणले उच्च जोखिममा रहेको छ । प्रतिकार्य योजनामा भूकम्पीय सुरक्षाको सन्देशलाई समुदायमा गहन र व्यापक ढङ्गले पुऱ्याउने र भूकम्पीय जोखिमको दृष्टिले समुदायलाई सुरक्षित बनाउन पहल गर्नुपर्ने आवश्यकता महशुस गरिएको छ ।

२.६ प्रकोप जोखिम र संकटासन्नताको विश्लेषण

२.६.१ विगतमा भएको विपद्को असरका आधारमा गाउँपालिका तथा नगरपालिकास्तरीय प्रकोप स्तरीकरण

| क्र.सं. | गा. पा. / न. पा. | साविकका गा.वि.स./नपा | सम्भावित विपद्को प्रकार (निम्न-१, मध्यम-२, उच्च-३) | | | | | जम्मा | संकटासन्नता |
|---------|------------------|----------------------|--|-------|--------|--------------------|--------|-------|-------------|
| | | | बाढी | पहिरो | आगलागि | महामारी (कोभिड १९) | भूकम्प | | |
| १. | कालीमाटी गा. पा. | काप्रेचौर | ३ | ३ | २ | ३ | १ | १२ | उच्च |
| | | कालीमाटी काल्चे | ३ | ३ | २ | २ | १ | ११ | उच्च |

लक्ष्मी देवी हिमगाई (खतिवडा)
प्रमुख जिल्ला अधिकारी

| क्र.सं. | गा. पा. / न. पा. | साविकका गा.वि.स. / नपा | सम्भावित विपद्को प्रकार (निम्न-१, मध्यम-२, उच्च-३) | | | | | जम्मा | संकटा सन्नता |
|---------|--------------------------|------------------------|--|-------|---------|--------------------|--------|-------|--------------|
| | | | बाढी | पहिरो | बागलागि | महामारी (कोभिड १९) | भूकम्प | | |
| | | कालीमाटी रामपुर | ३ | २ | ३ | २ | १ | ११ | उच्च |
| | | लक्ष्मीपुर | १ | २ | ३ | ३ | १ | १० | उच्च |
| २. | त्रिवेणी गा. पा. | काभ्रा | १ | २ | ३ | २ | १ | ९ | मध्यम |
| | | कारागिठी | १ | २ | ३ | २ | १ | ९ | मध्यम |
| | | त्रिवेणी | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| | | फलाबा ^१ | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| | | धनवा ^१ | १ | ३ | २ | २ | १ | ९ | मध्यम |
| ३. | कपुरकोट गा. पा. | सारपानी गर्पा | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| | | रिम | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| | | सिनबाङ्ग | १ | ३ | २ | २ | १ | ९ | मध्यम |
| | | दमाचौर | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| ४. | छत्रेश्वरी गा. पा. | लेखपोखरा | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| | | कोर्बाडभिम्वे | १ | ३ | २ | २ | १ | ९ | मध्यम |
| | | छायाँक्षेत्र | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| | | सिद्धेश्वरी | १ | ३ | ३ | २ | १ | १० | उच्च |
| ५. | सिद्ध कुमाख गा. पा. | चाँदे करेञ्जी | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| | | बाभुकाँडा | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| | | बागचौर न.पा | १ | ३ | २ | २ | १ | ९ | मध्यम |
| ६. | बागचौर न पा | बाफुखोला | २ | ३ | २ | २ | १ | १० | उच्च |
| | | दार्माकोट | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| ७. | दार्मा गा. पा. | भलचौर | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| | | ढाकाँडाम | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| | | देवस्थल | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| ८. | वनगाड कुपेन्डे दह न. पा. | वामे | १ | २ | १ | ३ | १ | ८ | मध्यम |
| | | मूलखोला | १ | ३ | २ | २ | १ | ९ | मध्यम |
| | | घाजरीपिपल | १ | ३ | २ | २ | १ | ९ | मध्यम |
| | | माँभुकाँडा | १ | २ | ३ | ३ | १ | १० | उच्च |
| | | कुपिन्डेदह | १ | २ | ३ | २ | १ | ९ | मध्यम |
| | | निगालचुला | १ | ३ | २ | ३ | १ | १० | उच्च |
| | | मर्मपरिकाँडा | १ | ३ | २ | ३ | १ | १० | उच्च |
| | | स्वीकोट | १ | ३ | २ | ३ | १ | १० | उच्च |
| ९. | कुमाख गा. पा. | कालागाउँ | १ | ३ | २ | ३ | १ | १० | उच्च |



| क्र.सं. | गा. पा. / न. पा. | साविकका गा.वि.स. / नपा | सम्भावित विपद्को प्रकार (निम्न-१, मध्यम-२, उच्च-३) | | | | | जम्मा | संकटा सन्तता |
|---------|------------------|------------------------|--|-------|--------|--------------------|--------|-------|--------------|
| | | | बाढी | पहिरो | आगलागी | महामारी (कोभिड १९) | भूकम्प | | |
| | | बडागाउँ | १ | ३ | २ | ३ | १ | १० | उच्च |
| | | जिमाली | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |
| १०. | शारदा न पा | शारदा न.पा. | १ | २ | २ | २ | १ | ८ | मध्यम |

नोट: अंकभार ७ सम्म न्यून, ८ देखि ९ सम्म मध्यम र १० देखि माथि उच्च जोखिम रहने गरी स्तरीकरण गरिएको छ ।

२.७ विषयगत क्षेत्रका अगुवा तथा सहयोगी संस्थाको विवरण

विषयगत विपद्को प्रकृतिमा आधारित प्रतिकार्य योजना सन २००५ मा विषयगत क्षेत्रको अवधारणा आएपछि नेपालमा पनि यो अवधारणाको शुरुवात भयो । वि.सं. २०६८ सालमा सल्यान जिल्लामा पनि यही अवधारणा अनुसार विभिन्न निकायलाई विषयगत क्षेत्रको जिम्मेवारी दिई कामको शुरुवात गरिएको थियो । हाल सल्यान जिल्लामा समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन, खोज तथा उद्धार, खाद्य, आपतकालीन आवास तथा गैर खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य र पोषण, शिक्षा, संरक्षण, खानेपानी तथा सरसफाई, पुनःनिर्माण/पुनःस्थापना गरी जम्मा ९ वटा विषयगत क्षेत्रहरु तय गरिएको छ ।

| विषयगत क्षेत्र(Cluster) | मुख्य जिम्मेवारीहरु (Role & Responsibility) | क्षेत्रगत नेतृत्व (Cluster Leads) | सहयोगी निकाय (Cluster Members) |
|-----------------------------|---|---------------------------------------|--|
| समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन | विपद् पूर्वतयारी योजना तथा प्रतिकार्य योजना निर्माण र प्रभावकारी कार्यान्वयनमा, प्रचार प्रसार, अभिमुखीकरण आदि सरोकार निकाय, Cluster हरु बीच सूचना, सञ्चार, समन्वय र सहजीकरण गर्ने । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय ०८८-५२०१३३ | जिल्ला समन्वय समिति, स्थानीय तह, नेपाली सेना, नेपाप्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, नेपाल टेलिकम, नेपाल विद्युत प्राधिकरण, नेपाल पत्रकार महासंघ, राष्ट्रिय अनुसन्धान । |
| खोज तथा उद्धार | विपद् प्रतिकार्यको लागि दक्ष जनशक्ति तयार, परिचालन, अभिमुखीकरण, अभ्यास, स्रोत पहिचान र नक्साङ्कन गर्न सहजीकरण गर्ने । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय ०८८-५२०१३३ | स्थानीय तह, नेपाली सेना, सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाल प्रहरी नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, डिभिजन वन कार्यालय । |

लक्ष्मी देवी हेम्जागाई (खितबेडा)
प्रमुख जिल्ला अधिकारी



| विषयगत क्षेत्र(Cluster) | मुख्य जिम्मेवारीहरु (Role & Responsibility) | क्षेत्रगत नेतृत्व (Cluster Leads) | सहयोगी निकाय (Cluster Members) |
|----------------------------------|--|--|--|
| अस्थायी आवास र गैर खाद्य सामग्री | विपद्मा परेका प्रभावित परिवारहरुलाई सुरक्षित स्थानान्तरण तथा आपतकालीन अस्थायी बसोबासको व्यवस्था गर्न सहयोग गर्ने । | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, सल्यान शाखा ०८८ - ५२०००४ | जिल्ला शिक्षा विकास तथा समन्वय ईकाइ, स्थानीय तह (विपद् व्यवस्थापन शाखा), सुरक्षा निकाय, सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ, डिभिजन वन कार्यालय, उद्योग वाणिज्य संघ, गै.स.सं. महासंघ, यातायात प्रा.लि. । |
| खाद्य सामग्री | विपद्मा परेका परिवारहरुलाई तत्काल आवश्यक खाद्य सामग्री सुरक्षित भण्डारण र वितरण गर्न सहयोग गर्ने । | कृषि विकास कार्यालय, सल्यान ०८८ - ५२०१३० | उद्योग वाणिज्य संघ, सल्यान, गैसस महासंघ, डिभिजन वन कार्यालय । |
| खानेपानी तथा सरसफाई | विपद् प्रभावित आश्रय स्थलमा सुरक्षित खानेपानी तथा सरसफाईको व्यवस्था मिलाउने । | खानेपानी सिंचाई तथा उर्जा विकास कार्यालय, सल्यान ०८८ - ५२०००६ | स्थानीय तह, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, शिक्षा विकास तथा समन्वय ईकाइ, स्वास्थ्य सेवा कार्यालय, दलित विकास समाज, खानेपानी उपभोक्ता महासंघ । |
| स्वास्थ्य तथा पोषण | विपद्को समयमा घाइते तथा विरामी व्यक्तिहरुको तत्काल उपचारको व्यवस्था र अस्थायी शिविरमा हूनसक्ने विभिन्न सरुवा रोगहरुको रोकथामको अभियान संचालन गर्न सहयोग गर्ने । | सबै स्थानीय तहहरु, स्वास्थ्य शाखा | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी, स्वास्थ्य सेवा कार्यालय, स्थानीय संघ संस्था, निजी मेडिकल तथा अस्पताल । |
| संरक्षण | विपद्को समयमा घाइते तथा विरामी, गर्भवती महिला, बाल बच्चा, जेष्ठनागरिकहरुको लैंगिक हिंसा संरक्षण तथा सुरक्षासम्बन्धी अस्थायी शिविरमा समन्वय एवम् मनोसामाजिक परामर्श आदि अभियान सञ्चालन गर्न सहयोग गर्ने । | स्थानीय तह (सबै) | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, जिल्ला प्रहरी कार्यालय, नेपाली सेना, सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाल, सल्यान, रेडक्रस नेपाल, गैर सरकारी संस्था |
| आपत्कालीन शिक्षा | विपद्को समयमा नियमित शिक्षाबाट बञ्चित बालबालिकको पठनपाठनको सञ्चालनको व्यवस्था, गर्न गराउन सहयोग गर्ने । | शिक्षा विकास तथा समन्वय ईकाइ, ०८८-५२००१४९ | गै.स.स.महासंघ, स्थानीय तह (शिक्षा इकाइ), रेडक्रस, उद्योग वाणिज्य संघ । |

लक्ष्मी देवी हेम्मागाई (खतिवडा)
प्रमुख जिल्ला अधिकारी



| विषयगत क्षेत्र(Cluster) | मुख्य जिम्मेवारीहरू (Role & Responsibility) | क्षेत्रगत नेतृत्व (Cluster Leads) | सहयोगी निकाय (Cluster Members) |
|--|---|--|---|
| पुनर्स्थापना, पुर्ननिर्माण र पूर्वाधार । | विपद्को समयमा बासस्थान गुमाएका परिवारहरूको सुरक्षित बसोबासको लागि भौतिक संरचनाको आवश्यकता अनुसार पुनर्स्थापना वा पुनर्निर्माण, पुनर्लाभका लागि समन्वय तथा सहकार्यको लागि अभियान सञ्चालनमा सहयोग गर्ने । | पूर्वाधार विकास कार्यालय ०८८ - ५२००७२ | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, स्थानीय तह, डिभिजन वन कार्यालय, खानेपानी सिंचाई तथा उर्जा विकास कार्यालय, नेपाल विद्युत प्राधिकरण, सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ, मालपोत कार्यालय, नेपाल टेलिकम, उद्योग तथा उपभोक्ता हित संरक्षण कार्यालय । |

२.८ क्षेत्रगत निकायहरूले पूर्व तयारी तथा विपद् प्रतिकार्यको लागि प्रस्ताव गरेको अनुमानित बजेट सारांश

| क्र.सं | विषयगत क्षेत्र | जम्मा अनुमानित बजेट (रु.) | उपलब्ध श्रोत (सामग्रीगत+नगद) | नपुग (आवश्यक) बजेट |
|--------|--|---------------------------|------------------------------|---------------------|
| १ | समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन | १२,००,०००/- | | १०,२५,०००। |
| २ | खोज तथा उद्धार | ६९,५०,०००/- | ० | २६,००,०००। |
| ३ | अस्थायी आवास तथा गैरखाद्य सामग्री व्यवस्थापन | ७२,४५,००,०/- | ० | ४०,३६,०००। |
| ४ | खाद्य सामग्री | ६५,००,०००/- | ० | २०,००,००० |
| ५ | खानेपानी तथा सरसफाई व्यवस्थापन | १८,०५,०००/- | ० | १०२६५०० |
| ६ | स्वास्थ्य तथा पोषण | ५०,००,०००/- | ० | १२,००,००० |
| ७ | संरक्षण | ६५,७५,०,००/- | ० | ३५,००,००० |
| ८ | आपतकालीन शिक्षा व्यवस्थापन | २०,९०,०००/- | ० | १०,५३,००० |
| ९ | पुनर्स्थापना, पुर्ननिर्माण र पूर्वाधार | १,००,००,०००/- | | ४०,५८२२० |
| | जम्मा | ४,६५,६,५०००/- | | २,०,४९,८,७२० |

लक्ष्मी देवी हमरागाई (खतिवडा)
प्रमुख जिल्ला अधिकारी



परिच्छेद-३

क्षेत्रगत प्रतिकार्य योजना

३.१ विषयगत क्षेत्रहरु

३.१.१ समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन


| | |
|---------------------|------------------------------------|
| विषयगत क्षेत्र | : समन्वय तथा सूचना व्यवस्थापन |
| मुख्य विपद्को किसिम | : पहिरो, बाढी, कोभिड १९ र भूकम्प |
| क्षेत्रगत अगुवा | : जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सल्यान। |
| सम्पर्क व्यक्ति | : प्रमुख जिल्ला अधिकारी |

विपद्को अनुमानित अवस्था

- यस जिल्लामा पहिरो, बाढी, भूकम्प, आगलागी, हावाहुरी, जंगली जनावरको प्रकोप, असिनापानी, लगायतका विपद्को जोखिमबाट ८,००० परिवारका ४०,००० जना प्रभावित हुन सक्नेछन्।
- ३ वटा नगरपालिका र ७ वटा गाउँपालिकाको प्रभावित समुदायले सम्बन्धित निकायसँग सम्पर्क र समन्वय विस्तार गर्नुपर्ने हुन सक्छ।
- सूचना प्रविधिहरू अवरुद्ध वा नष्ट भई सूचना आदान-प्रदानमा समस्या आउन सक्छ।
- सूचना तथा तथ्याङ्क सङ्कलनमा कठिनाई उत्पन्न हुनसक्छ।
- शारदा र भेरी नदीको वरिपरिको भूभाग तथा समुदायहरू डुवानमा पर्न सक्ने।
- बाढी, पहिरो तथा भूकम्पका कारण भौतिक पूर्वाधारहरू जस्तै भवन, पुल, कलभर्ट, विद्युत प्रसारण लाइन क्षति हुनसक्छ र सडकहरू अवरुद्ध हुन सक्छन्।
- आगलागी तथा जङ्गली जनावरका कारण भौतिक संरचना घरगोठ, बालीनाली तथा मानवीय क्षति हुनसक्छ।
- सूचना तथा तथ्याङ्क सङ्कलनमा दक्ष जनशक्तिको अभाव हुनसक्छ।
- महामारीजन्य सम्भाव्य रोगहरू जस्तै भाडापखाला, ज्वरो, रुघाखोकी र कोभिड १९ देखा पर्नसक्छन् र सुरक्षित उपचारका लागि क्वारेन्टिन, आइसोलेसन सेन्टर, स्वास्थ्य कर्मी, सुविधा सम्पन्न अस्पताल तथा उपचार कक्षहरूको अभाव हुनसक्छ।
- कृषि बालीमा रोगजन्य तथा किट जन्य प्रकोप हुन सक्नेछ।

रणनीति

- समुदायमा हुनसक्ने सम्भावित विपद्को सूचनाहरू सम्बन्धित निकायहरूबाट निरन्तर प्राप्त गरी विश्लेषण गर्ने
- प्राप्त सूचनाहरू आ-आफ्ना तालुक निकायहरूमा पठाउने।
- सम्भावित प्रकोप हुनसक्ने अवधिभर र विपद्को समयमा स्थानीय समाचार माध्यम (एफ. एम. रेडियो, टि.भि., पत्रिका मार्फत प्रसारण तथा प्रकाशन गर्ने।
- विपद्को समयमा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति मार्फत सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाहरूलाई सक्रिय बनाउने।



लक्ष्मी देवी होमगाइ (खतिवडा)
प्रमुख जिल्ला अधिकारी



सूचना तथा समन्वय क्षेत्रको आपतकालीन पूर्व तयारी योजना

| विपद्को घटना पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिका आधारमा) | आपतकालीन अवस्था सम्बोधन गर्न गरिने पूर्वतयारीकार्य | पूर्वतयारी कार्य सम्बोधन गर्न खाडलको पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | प्रत्येक पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत (रु.) |
|----------------------------|--|--|--|-------------------------|--|
| पहिलो दिन | विभिन्न श्रोतबाट प्राप्त (जल तथा मौसम विभागका गेज स्टेसन, सुरक्षा निकाय र समुदायस्तरबाट) भएका सूचनाको आधिकारिक प्रमुख सूचना जिल्ला अधिकारीलाई दिने । | स्थानीय तहमा पूर्वसूचना कार्यदलको गठन र तालीम, जल तथा मौसम विभागका फिल्ड कार्यालय र जिल्ला आपतकालीन सञ्चालन केन्द्रसँग समयमै सूचना प्राप्ति र प्रवाहका लागि प्रभावकारी सम्बन्ध स्थापना गरी प्रवाह गरिनेछ । | जिल्ला तहका श्रोत समूहबाट स्थानीय तहका स्वयंसेवकलाई तालीम नभएको । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | २,५०,००० ।- |
| | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको समन्वय बैठक आयोजना, जानकारी संकलन र परिस्थितिको अध्यावधिक गर्ने । | जिल्ला आपतकालीन केन्द्र, जल तथा मौसम विभागका फिल्ड कार्यालय र स्थानीय तहमा पूर्वसूचना कार्यदलका सम्पर्क व्यक्तिहरूको समय समयमा बैठक र पूर्वसूचनाका लागि स्थापना भएका स्टेसन सम्पर्क व्यक्ति र नम्बरहरू सबैको सहज पहुँचका लागि प्रकाशन गरिनेछ । | जिल्ला आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्रलाई भरपर्दो सूचनाहरू उपलब्ध गराउने जिल्ला आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्रलाई जिम्मेवार बनाउन जिल्ला तहमा नीतिको अभाव । | | |
| | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको समन्वय बैठक आयोजना, जानकारी संकलन र परिस्थितिको अध्यावधिक गर्ने । | सुरक्षा निकायहरूको तारविहीन सञ्चार (Wireless Communication) सञ्जाललाई भरपर्दो बनाउने र विस्तार गरिनेछ । | जिल्ला आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्रको लागि दक्ष जनशक्तिको अभाव हुनसक्छ । | | |
| | सबै क्षेत्रगत | स्थापित ग्रामीण टेलिफोन सेवा समेतलाई आपतकालीन अवस्थामा प्रयोग गर्न आवश्यक प्रणाली तथा संयन्त्रको | जिल्ला आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्र सञ्चालनको कार्यविधि बनाई सबै सरोकारवालालाई जिम्मेवार बनाई कार्यान्वयन गर्ने निश्चित मापदण्ड | | |

लक्ष्मी कोइराला (बतिवडा)
प्रमुख जिल्ला अधिकारी

| | | | |
|---|--|--|---|
| <p>समुह (Cluster) लाई सक्रिय पार्ने कार्य विभाजन गरी सबै क्षेत्रगत समूह (Cluster) लाई जिम्मेवारी सुम्पने ।</p> <p>रेडियो टेलिभिजन, छोटकरी सूचना सेवा (SMS) का माध्यमबाट तथ्यगत पूर्व चेतावनी, भए गरेका उद्धार प्रयासहरु अर्थात् सार्वजनिक आहवान विषयक सूचनाहरु प्रवाह गर्ने ।</p> <p>विद्युतीय सञ्चारका सबै माध्यममा एकै पटक स्वतः आपतकालीन सन्देश आउने प्रणाली स्थापना गरी सञ्चालनमा ल्याउने ।</p> | <p>विकास गरिनेछ ।</p> <p>विपद् सम्बद्ध निकाय तथा प्राधिकरणका कार्यालयहरू तथा आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्रहरूलाई क्रमिक रूपमा स्पाटेलाइट फोन, रेडियो सञ्चार प्रणाली तथा सञ्चारका अन्य आधुनिक प्रणालीद्वारा सुसज्जित गरिएको हुनेछ ।</p> <p>सम्भाव्य प्रकोपहरूको अनुगमन गर्न आवश्यक प्रणालीको तर्जुमा तथा विकास गरिएको हुनेछ । नियमित रूपमा विपद्का घटना, प्रभाव तथा क्षतिका सम्बन्धमा तथ्याङ्कगत अभिलेख राख्ने, विश्लेषण गर्ने, सार-सङ्क्षेप तयार पार्ने तथा प्रचार-प्रसार गरिएको हुनेछ ।</p> <p>विशेष रूपमा खतरामा रहेका समुदाय तथा संस्थाहरूका बीचमा व्यापक मात्रामा प्रचार-प्रसार गर्न सकियोस भनी पूर्व-चेतावनी दिने प्रणालीको स्थापना गरिएको हुनेछ । सम्भाव्य प्रकोपहरूका लागि पूर्व-चेतावनी दिने प्रणालीको उपयोग गर्न स्थानीय समुदायलाई अभिप्रेरित गरिएको हुनेछ ।</p> <p>विपद्का क्षेत्रमा काम गर्ने विभिन्न निकायको नामावली र सम्पर्क व्यक्तिहरूको लिष्ट तयारी गर्नुका साथै उनीहरूसँग भएको श्रोत साधनको नक्शाङ्कन गरिनेछ ।</p> <p>सबैलाई आपतकालीन अवस्थाको बेला के कति समयमा बैठक बस्ने जानकारी (विपद्का समयमा तत्कालै, पहिलो १ हप्तासम्म १ दिन बिराएर र दोश्रो हप्ताबाट हप्तामा १ पटक) सबै विषयगत अगुवा कार्यालय तथा सदस्यहरूलाई जिम्मेवारीको जानकारी गराउने र विषयगत विपद् प्रतिकार्य तथा आकस्मिक योजना तयारी अवस्थामा राख्न लगाइनेछ ।</p> | <p>विकास नभएको ।</p> <p>समन्वयको अभाव ।</p> <p>सरोकारवालाहरूको सूचना तथा गरेका कार्यहरु सम्पर्क र भरपर्दो रूपमा आउन नसकेको ।</p> |  |
|---|--|--|---|



| | | |
|---|---|--|
| <p>घटनासम्बन्धी विवरण तथा पारी सूचना प्रवाह गर्ने ।</p> <p>केन्द्रीय तथा प्रदेश आपतकालीन केन्द्रमा जानकारी गराउने ।</p> <p>राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय सरोकारवाला संग सम्भाव्य सहयोगका लागि समन्वय गर्ने ।</p> <p>जिल्ला आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्रलाई विपद् प्रतिकार्यका लागि मुख्य समन्वय केन्द्रको रूपमा परिचालन गर्ने ।</p> | <p>आकस्मिक योजना कार्यान्वयनमा अन्य विषयगत कार्यालयको पनि सहयोग लिइनेछ ।</p> <p>सूचनाको प्रचार-प्रसार, सञ्चार माध्यम तथा सञ्चार प्रविधिहरूको विवेकपूर्ण प्रयोग गर्ने प्रणाली विकसित गर्ने र त्यसको लागि क्षमता सृष्टीकरण गरिनेछ ।</p> <p>विपद् जोखिम व्यवस्थापन तथा समुदायको पूर्व-तयारीको प्रवर्द्धन गर्ने कार्यमा सञ्चार माध्यमका भूमिकालाई प्रणालीगत रूपमा स्थापित गरी आमसञ्चार माध्यमहरूलाई अभिमुखीकरण गरिएको हुनेछ ।</p> <p>सचेतना कार्यका लागि एफएम् रेडियो, छापा तथा विद्युतीय सञ्चारका माध्यमहरूको उपयोगलाई प्रोत्साहित गरिएको हुनेछ । प्रतिकार्य सम्पर्क केन्द्रको स्थापना गर्ने कार्ययोजना तर्जुमा गरिनेछ ।</p> <p>विपद् सम्बन्धी सूचनाहरू आदान प्रदान गर्ने प्रभावकारी सयन्त्रको विकास गरिएको हुनेछ ।</p> <p>विपद् पूर्व सम्भावित विपद्को क्षतिको अनुमान गरी त्यसका लागि आवश्यक पर्ने स्रोत साधन भएका निकायहरूको पहिचान गर्दै जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिलाई जानकारी गराइनेछ ।</p> <p>जिल्ला विपद् सम्बन्धी सूचना र जानकारी तथा कार्यहरूलाई एकीकृत रूपमा अभिलेख तथा सूचनाको मजबुत केन्द्रको रूपमा विकास गरी सरोकारवालाहरूलाई जानकारी गराइनेछ ।</p> | |
|---|---|--|

लक्ष्मी देवी हमगाई (खतिबडा)
 प्रमुख जिल्ला अधिकारी

| | | | | |
|-------------------|---|--|---|---|
| <p>दोश्रो दिन</p> | <p>विषयगत अगुवा तथा सहयोगी संस्थाहरुको बैठक आवश्यकता अनुरूप निरन्तर बस्ने । स्रोत साधनको आँकलन गर्ने आवश्यकता, लेखाजोखा र खाडल पहिचान गर्ने । प्रभावित परिवारको दर्ता गर्ने, पीडितको लागि परिचयपत्र उपलब्ध गराउने र तथ्याङ्कको उचित प्रबन्ध र व्यवस्था गर्ने । आकस्मिक सञ्चारको प्रबन्ध</p> | <p>टेलिफोन, मोबाइल, इन्टरनेट प्रणालीमा खराबी आएमा सुरक्षा निकायहरूसँग मिलापको साधनद्वारा तत्काल सूचना आदानप्रदान गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ । विपद् पूर्वतयारी, प्रतिकार्य र पुनर्स्थापन कार्यका लागि स्रोतको सूची तयार गर्ने र सस्थागत क्षमताको विश्लेषण गर्ने यसमा विशेषतः विज्ञहरुको सूची, खोज तथा उद्धार औजार, अस्पताल र तिनको क्षमताको सूची, एम्बुलेन्स, आकस्मिक सञ्चार सेवाको अवस्था वारुणयन्त्रको अवस्था आदिको विश्लेषण गर्ने प्रबन्ध गरिनेछ । जिल्ला स्तरमा जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति, नगरपालिका तथा गाउँपालिकामा स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिको साथै कार्यदलको गठनक्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ । सबै प्रकारका प्रकोपहरुका लागि प्रकोप, सडकटासन्ता तथा जोखिमका नक्साहरु (सरचनागत) तयार पारिएको हुनेछ । विपद्सम्बन्धी जोखिम तथा सडकटासन्ताका सूचकसम्बन्धी प्रणालीको विकास गरिएको हुनेछ । जोखिमको लेखाजोखाको लागि आवश्यक विधिहरुको विकास गर्ने र त्यस्तो विधिलाई आत्मसात् गरिनेछ । विपदसँग जुट्न सक्ने साधन तथा स्रोत र उपलब्ध क्षमताको आँकलन गरिनेछ । कुन बेला कहाँ कस्तो सञ्चार साधनको जरुरत पर्छ त्यसको विप्लेषण गरी पूर्व तयारी गर्ने र पुनर्स्थापनाका</p> | <p>नक्शाङ्कन नभएको यसको निरन्तर गरिरहनुपर्ने जिल्ला केन्द्रले सञ्चालन केन्द्रलाई अपतकालीन कार्य सञ्चालन अपडेट गर्ने समयसमयमा सञ्चालन केन्द्रलाई निर्माण गर्नु पर्ने सो नभएको । जिल्ला तहमा विपद्को पूर्व तयारीका लागि सबै सरोकारवालालाई जिम्मेवार बनाई विभिन्न कार्यमा सहकार्य र समन्वयको वातावरण सृजना गर्नका लागि जिल्ला तहमा विपद् जोखिम व्यवस्थापन नीति नबनेको । यो प्रक्रियामा कसका भूमिका रहने भन्ने जिम्मेवारी तोक्ने र तालीम दिन नसकिएको । जिम्मेवार निकाय नतोकिएको ।</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय कलष्टर सदस्यहरु । ३,२५,०००।-</p> |
|-------------------|---|--|---|---|

२४
 लक्ष्मी देवी हमियाई (बतिवडा)
 प्रमुख जिल्ला अधिकारी

| | | | | | |
|--------------------|---|---|--|--|--------------------|
| | <p>गर्न तथा यथाशीघ्र छिटो दूरसञ्चारको पुनःस्थापन गरी सेवा सञ्चालन गर्ने ।</p> <p>विपद् प्रतिकार्य शीघ्र पश्चात् अवधिमा पुनर्स्थापना गर्नका लागि कार्य योजना बनाउने ।</p> | <p>लागि रणनीति बनाइनेछ ।</p> <p>विपद्को समयमा अति आवश्यक सञ्चारका सामग्रीहरु के के क्षति हुन सक्छ त्यसको आँकलन र त्यसको तत्कालै सुविधा प्राप्तिका लागि वैकल्पिक तथा पुनर्स्थापना योजनाका साथै बजेटको व्यवस्था गरिएको हुनेछ ।</p> | <p>जिल्ला तहकाले पनि कलस्टरका सदस्यहरुले तालिम नपाएको र स्थानीय तहमा लिंकेज प्रभावकारीरूपमा नभएकाले समयमै सूचना प्राप्त हुन नसकेको र आवश्यक कार्यावकास नभएको ।</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय र कलस्टर सदस्यहरु ।</p> | <p>३, ००,०००/-</p> |
| <p>पहिलो हप्ता</p> | <p>दूत लेखाजोखा Rapid Assessment गरी संकलित तथाक विश्लेषण र सम्प्रेषण गर्ने ।</p> <p>विषयगत समितिका सदस्य र सरोकारवाला निकायलाई जानकारी गराई प्रतिवेदनका आधारमा कार्ययोजना तयार गरी कार्यान्वयन गर्ने ।</p> | <p>सूचना तथा समन्वय कलस्टर सदस्यहरुलाई तालीम दिइने छ र यी कलस्टरका सदस्यहरुले स्थानीय तहमा पनि सूचना संकलनका लागि संकटासन्न समुदायमा स्वयंसेवकहरु विकास गरी क्षमता विकास गरिनेछ ।</p> <p>विस्तृत रुपमा सूचनाको सङ्कलन गरी योजना बनाउने समयमै सबै सरोकारवालालाई आदान प्रदान गर्ने संयन्त्र विकास गरिने । यो कार्यलाई निरन्तरता दिइने छ ।</p> | <p>जिल्ला तहकाले पनि कलस्टरका सदस्यहरुले तालिम नपाएको र स्थानीय तहमा लिंकेज प्रभावकारीरूपमा नभएकाले समयमै सूचना प्राप्त हुन नसकेको र आवश्यक कार्यावकास नभएको ।</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय र कलस्टर सदस्यहरु ।</p> | <p>३, ००,०००/-</p> |



पुनर्स्थापना कार्य योजना (विपद्को समयमा अति आवश्यक सञ्चारका सामग्रीहरु के के क्षति हुन सक्छ त्यसको आँकलन र त्यसको तत्कालै सुविधा प्राप्तिका लागि वैकल्पिक तथा पुनर्स्थापना योजनाका साथै बजेटको व्यवस्था गरिएको हुनेछ ।)



| | | | | | |
|--|--|--|--|--|-------------------|
| <p>विषयगत बैठक र घटनाको विवरण संकलन गर्ने कार्य निरन्तर गर्ने (कार्य क्षेत्र पहिचान गरी कार्य गर्ने) ।</p> | <p>क्षेत्रगत कार्य समूहका कार्य प्रगति विवरण र सङ्कलन समीक्षा गर्ने ।</p> | <p>जिल्ला आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्रको सहयोगीका रूपमा रेडकस, जनपथ प्रहरी र शसस्त्र प्रहरीलाई जिम्मेवार बनाइनेछ । केन्द्रले स्थानीय तहमा भएका प्रगतिका बारेमा स्थानीय तहमा रहेका विपद् सम्बन्धी समिति र प्रतिकार्य कार्यमा संलग्न निकायहरुको सहयोगमा सूचना संकलन गर्नेछ ।</p> | <p>उपयुक्त र प्रभावकारी संयन्त्र नभएकाले समयमै सूचना उपलब्ध हुन नसकेको समुदायको आवश्यकतालाई समयमै सम्बोधन गर्न नसकिएको ।</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय र कलक्टर सदस्यहरु ।</p> | <p>३०००००</p> |
| <p>सबै सूचनाहरु निरन्तर अध्यवाधिक गर्दै जाने र सरोकारवाला निकाय एवम् सञ्चारमाध्यमलाई उपलब्ध गराउने (२४घण्टा भित्र, पहिलो १ हप्तामा दैनिक, दोश्रो हप्ताबाट हप्तामा १ पटक र आवश्यकता अनुसार) ।</p> | <p>जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको बैठकमा निरन्तर छलफल र सम्बन्धित निकायलाई सल्लाह सुझाव तथा सूचना उपलब्ध गराइने छ ।</p> | <p>विपद्पछि पूर्वसूचना प्रणालीका लागि आवश्यकसंरचनाहरुको प्रभावकारिताको मापन गरिनेछ ।</p> | <p>समुदायस्तरमा सूचना आदानप्रदानको तौरतरिकालाई पनि पूर्वचेतावनी प्रणालीमा समाहित गरिने छ ।</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय र कलक्टर सदस्यहरु ।</p> | <p>४,००,०००/-</p> |
| <p>पहिलो महिना</p> | <p>विषयगत बैठक र घटनाको विवरण संकलन गर्ने कार्य निरन्तर गर्ने (कार्य क्षेत्र पहिचान गरी कार्य गर्ने) ।</p> | <p>जिल्ला आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्रको सहयोगीका रूपमा रेडकस, जनपथ प्रहरी र शसस्त्र प्रहरीलाई जिम्मेवार बनाइनेछ । केन्द्रले स्थानीय तहमा भएका प्रगतिका बारेमा स्थानीय तहमा रहेका विपद् सम्बन्धी समिति र प्रतिकार्य कार्यमा संलग्न निकायहरुको सहयोगमा सूचना संकलन गर्नेछ ।</p> | <p>उपयुक्त र प्रभावकारी संयन्त्र नभएकाले समयमै सूचना उपलब्ध हुन नसकेको समुदायको आवश्यकतालाई समयमै सम्बोधन गर्न नसकिएको ।</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय र कलक्टर सदस्यहरु ।</p> | <p>३०००००</p> |
| <p>दोस्रो महिना</p> | <p>विपद्को चेतावनी दिने केन्द्र तथा व्यवस्थापन गर्ने केन्द्रहरु (Eg)</p> | <p>विपद्पछि पूर्वसूचना प्रणालीका लागि आवश्यकसंरचनाहरुको प्रभावकारिताको मापन गरिनेछ ।</p> | <p>समुदायस्तरमा सूचना आदानप्रदानको तौरतरिकालाई पनि पूर्वचेतावनी प्रणालीमा समाहित गरिने छ ।</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय र कलक्टर सदस्यहरु ।</p> | <p>४,००,०००/-</p> |

24
 २४
 लक्ष्मी देवी हमगाई (खतबडा)
 प्रमुख जिल्ला अधिवक्तागरी

| | | | | | |
|--|---|---|---|--|--------------------|
| <p>लक्ष्मी देवी हेमागाई खतिवडा प्रमुख जिल्ला अधिकारी</p> | <p>Emergency Operation Centers) आवश्यक ठानिएका भत्किएका महत्वपूर्ण सूचनाका पूर्वाधारहरूको पूर्व लेखाजोखा गरी मर्मत तथा पुनःनिर्माण गरिनेछ ।</p> | <p>र भत्किएका तथा विग्रिएका संरचनाको मर्मतसंभारका साथै थपु पर्ने आकलन गरी आवश्यक बजेटको विनियोजन गरिएको हुनेछ ।</p> | <p>सञ्चालन प्रक्रियाका लागि जिल्लाको सरोकारवालालाई योजनाहरूमा योगदान दिने वातावरण सृजना गर्न प्रतिकार्य योजनामा भएका क्रियाकलापमा बृहत छलफल गरिने छ ।</p> | <p>जिल्ला प्रशासन कार्यालय कलष्टर सदस्यहरू ।</p> | <p>१,५०,०००/-</p> |
| <p>तेश्रो महिना</p> | <p>जिल्ला विपद् पूर्व तथा प्रतिकार्य योजना समयसापेक्ष परिमार्जन गर्ने । सूचना र समन्वय लाई दिगो बनाउने ।</p> | <p>नेपाल सरकारबाट जारी भएका नीति, रणनीति, निर्देशिका बमोजिम जिल्लाको परिवेश अनुरूप नियमित रूपमा जिल्ला विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्ययोजना समय सापेक्ष परिमार्जन गर्ने परिपाटी बसालिएको हुनेछ । सबै तहमा आपतकालीन प्रतिकार्य योजनाको तर्जुमा तथा क्षमताको अभिवृद्धि तत्काल गर्नु जरुरी भएकोले दाता, निजी क्षेत्र वा दान-दातव्यबाट आर्थिक स्रोत जुटाउने छुट्टै संयन्त्र (जस्तै बास्केट फण्ड) को स्थापनागरिनेछ । प्रभावित क्षेत्र (sector) एवम् समुदायलाई आर्थिक स्रोत उपलब्ध गराउने व्यवस्थाको विकास गरिएको हुनेछ । यसका लागि आवश्यक पूर्वाधार मेसिन उपकरण साधन स्रोतको पहिचान गरी दिगो बनाउन प्रयासरत रहेनेछ ।</p> | <p>।</p> | <p>१५,००,०००/-</p> | |
| <p>जम्मा</p> | | | | | <p>१५,००,०००/-</p> |



३.१.२ खोज तथा उद्धार

विषयगत क्षेत्र : खोज तथा उद्धार
 मुख्य विपद्को किसिम : बाढी, पहिरो र भूकम्प
 क्षेत्रगत अगुवा : जिल्ला प्रशासन कार्यालय, सल्यान ।

अनुमानित अवस्था

प्रभावित हुन सक्ने परिवार तथा जनसंख्या: ८,००० परिवारका ४०,००० जनसंख्या र जसमध्ये केही समयको लागि विस्थापित हुने जनसंख्या २०,००० हुनेछ । करिब ५,००० बालबालिका, ३,००० किशोरकिशोरी र गर्भवती तथा दूध चुसाउने महिला १००० हुने पूर्वानुमान गरिएको छ ।

- सम्पूर्ण सम्बन्धित निकायले उद्धार सामग्री अद्यावधिक गरी तयारी अवस्थामा राख्ने ।
- नेपाल रेडक्रस सोसाईटीसँग समन्वय गरेर वार्षिक रुपमा कृत्रिम घटना अभ्यास गर्ने ।

रणनीति

- विपद् लगत्तै उपकरणसहित खोज तथा उद्धार (Search & Rescue) टोली खटाउने ।
- समन्वय बैठक र प्रतिवेदनबारे जानकारी गराउने ।
- सुविधाबाट बञ्चित समूह/संकटासन्न अवस्थामा रहेका व्यक्तिको उद्धार र राहत वितरणसम्बन्धी गतिविधिको अनुगमन गर्ने ।
- अवस्था हेरी (आवश्यकतामा आधारित रहेर) मिरा (MIRA) टीम खटाउने ।
- पहिलो हप्ताको परिस्थितिको बारेमा दिनदिनै प्रतिवेदन पेस गर्ने र त्यसपछि हरेक दुई हप्तापछि गर्ने ।
- शिविर समन्वय तथा शिविर व्यवस्थापन (CC&CM) को अनुगमन गर्ने तथा प्रतिवेदन भर्ने (फाराम सहितको) संयन्त्र निर्माण गर्ने ।
- पहिलो हप्तामा हरेक दिन र प्रकोप भएको २४ घण्टाभित्र समाचार सञ्चार माध्यममा पठाउने ।
- नियन्त्रण तथा मानवीय सहयोगसम्बन्धी मापदण्ड कायम गर्ने सांस्कृतिक, सामाजिक तथा आर्थिक रूपमा स्वीकार गर्न सकिने सामग्री-दाता/सहयोग उपलब्ध गराउने । (निकायबाट प्रत्यक्ष वितरण होइन)
- स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समितिलाई सक्रिय तुल्याउने । (अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र प्रतिवेदन)

विपद् प्रतिकार्य योजना

| विपद् पश्चात को अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्थामा गरिने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य सम्बोधन गर्न नपुग श्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|----------------------|---|--|---|--|---------------------------------------|
| पहिलो दिन | खोज तथा उद्धार टोलीको परिचालन र खोज तथा उद्धार कार्यको थालनी । | खोज तथा उद्धारको लागि खटिने टोलीको लागि आवश्यक बन्दोबस्तीको सामग्रीहरूको तयारी । | खोज तथा उद्धार टोली र आवश्यक सामग्रीहरू प्रयाप्त मात्रामा नभएको । | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल । | |
| | सूचना संकलन तथा अवस्थाको प्रतिवेदन । | खोज तथा उद्धारको लागि खटिने टोलीलाई Dos and Don'tको बारेमा | अभिमुखीकरण गरिसकिएको | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी | |

लक्ष्मी देवी हेम्मागाई (खतिवडा)
 प्रमुख जिल्ला अधिकारी



| विपद् पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्थामा गरिने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य सम्बोधन गर्न नपुग श्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|---------------------|--|---|---|--|--|
| | | अभिमुखीकरण । | | बल । | |
| | शान्ति सुरक्षा कायम राख्नको लागि आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था मिलाउने । | सञ्चारको उपयुक्त संयन्त्रको स्थापना । | विपद्को वेला मा गरिने संरचना र संयन्त्रको व्यवस्था स्पष्ट रहेको । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय । | ३०००००।० |
| | प्रभावितहरूलाई सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गर्ने । | खोज तथा उद्धारको लागि आवश्यक औजारहरूको व्यवस्था | केही अपर्याप्त रहेको । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय । | २,०००००।०० |
| | राहत सहयोग सामग्रीहरू वितरणको लागि आवश्यक पर्ने व्यवस्थाको तयारी गर्ने । | क्षेत्रगत नेतृत्व गर्ने निकायहरूसँग समन्वय बैठक गर्ने । | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय । | ५०,०००।०० |
| | क्षेत्रगत सदस्यहरूसँग बैठक तथा अन्य मानवीय संघ संस्थाहरूसँग समन्वय । | आवधिक बैठक गर्ने । | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय । | ५०,०००।०० |
| | जिल्ला आपतकालीन कार्य सञ्चालन केन्द्रलाई व्यवस्थित र थप सक्रिय बनाउने । | आवधिक बैठक गर्ने । | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय । | २०००००।०० |
| पहिलो दिन | सुरक्षा निकायहरूबीच आपसी समन्वय गर्ने । | विपद् व्यवस्थापन कार्य सम्बन्धी अभ्यास (Command Post/Live Exercise/Rescue)हरू गराई फौजलाई तयारी राख्ने । प्रभावित इलाकाको उपयुक्त स्थानमा हेलिप्याड साथै LZ/DZ तयार गर्ने । प्रभावित स्थान सम्म जाने मुख्य तथा वैकल्पिक मार्गहरू पहिचान गर्ने । | | | खोज तथा उद्धार समायो नै.रु. ३०,००,०००।०० र खोज तथा उद्धार समायो परिचालनको लागि नै. रु. ५,००,०००।०० |
| | आकस्मिक कक्ष, उपचार केन्द्र, सूचना सम्प्रेषण कक्ष तथा राहत सामग्री वितरण कक्षहरूको स्थापना गर्ने । | हरेक कक्षको लागि टोलीको निर्माण गर्ने । | टोलीको निर्माण गर्नु पर्ने । | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल । | ५०,०००।०० |
| दोस्रो दिन | अस्थायी शिविरको व्यवस्थापन गर्ने | तालिम, खोज तथा उद्धार स्रोतको नक्साङ्कन । | नक्साङ्कन गर्न बाँकी । | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी | २,००००० |

लक्ष्मी देवी हम्रागाई (खतिवडा)
प्रमुख जिल्ला अधिकारी



| विपद् पश्चात को अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | आपतकालीन अवस्थामा गरिने पूर्वतयारी कार्य | पूर्वतयारी कार्य सम्बोधन गर्न नपुग श्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यका लागि अनुमानित लागत |
|----------------------|--|--|--|---|---------------------------------------|
| | | | | बल । | |
| | | उद्धार सामग्रीहरुको सङ्कलन । | आ-आफ्नो संस्थामा भएको सामग्रीहरु तयारी अवस्थामा रहेको एकिन गर्ने । | | |
| | परिस्थितिको पुनरावलोकन गरी आवश्यक स्रोत साधनको लागि क्षेत्र तथा केन्द्रसँग आवश्यक सामग्रीहरुको माग तथा परिचालन गर्ने । (हेलिकप्टर) | Identification of the Location establishment for forward Base. | स्थान पहिचान गरी सकिएको । | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | 5000000 |
| | Establishment of Command Base/ Forward Base /Disaster Site Control Team | स्थान पहिचान गर्ने । | स्थान पहिचान गरी सकिएको । | नेपाली सेना नेपाल प्रहरी सशस्त्र प्रहरी बल | 2000000 |
| | खोज तथा उद्धार कार्यमा भएका प्रगति तथा अवस्थाको सरोकारवालहरुलाई जानकारी । | | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | |
| पहिलो हप्ता | सम्भावित महामारी फैलिन नदिन आवश्यक पहल गर्ने | सूचना संचार, जनचेतना र सहजकर्ताहरुको व्यवस्थापन गर्ने | पहिचान गरी सकिएको छ । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | 5000000 |
| | हराई बेपत्ता भएका मानिसको खोजी तथा पहिचान कार्यलाई निरन्तरता दिने | सरोकारवालाहरुबीच समन्वय गर्ने । | निरन्तर समन्वय गरिनुपर्ने । | नेपाली सेना नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाल रेडक्रस, स्वास्थ्य सेवा कार्यालय | 3000000 |
| सो भन्दा बढी | विपद्को अवस्था विश्लेषण र समग्र शान्ति सुरक्षाको लागि कार्य योजना तयार गर्ने । | नियमित बैठक र अवस्थाको अद्यावधिक गर्ने । | | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | 1000000 |
| जम्मा | | | | | ६९,५००००१०० |

२५

प्रमुख जिल्ला अधिकारी



कार्यान्वयन योजना सहितको प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्य

| क्र.सं. | प्राथमिकता प्राप्त पूर्वतयारी कार्यको सूची | मुख्य जिम्मेवार निकाय | कार्यान्वयन गर्ने तरिका (बैठक, कार्यशाला, तालिम आदि) | समय सिमा (कार्य तालिका) |
|---------|--|---|--|--|
| 1 | क्षेत्रगत नेतृत्व गर्ने निकायहरूसँग समन्वय बैठक गर्ने । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय | बैठक, | विपद् पूर्व आवधिक रुपमा तथा विपद् पश्चात तत्कालै |
| 2 | विपद् व्यवस्थापन कार्यसँग सम्बन्धित अभ्यास (Command Post/ Live Exercise/Recee) गराई फौजलाई तयारी राख्ने । | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | तालिम तथा कृत्रिम अभ्यास गर्ने | असारको दोस्रो हप्ता |
| 3 | प्रभावित इलाकाको उपयुक्त स्थानमा हेलिप्याड साथै LZ/DZ तयार गर्ने । | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | बैठक, निर्माण | विपद्पूर्व |
| 4 | प्रभावित स्थान सम्म जाने मुख्य तथा वैकल्पिक मार्गहरु पहिचान गर्ने । | गरी सकिएको | | |
| 5 | आकस्मिक कक्ष, उपचार केन्द्र, सूचना सम्प्रेसन कक्ष तथा राहत सामग्री वितरण हरेक कक्षको लागि टोली निर्माण गर्ने । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | न्यूनतम २५ जना दक्ष जनशक्तीको टोली निर्माण गरी परिचालन गर्ने | अषाढको अन्त्य सम्ममा |
| 6 | तालिम, खोज तथा उद्धार स्रोतको नक्सांकन । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | तलिम, बैठक | बाढी आउनु भन्दा अगाडि तयारी अवस्थामा रहने |
| 7 | उद्धार सामग्रीहरुको संकलन । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल | समन्वय, खरिद | अषाढको अन्त्य सम्ममा |
| 8 | उद्धार बेश स्थापनाका लागि उचित स्थानको छनौट | नेपाली सेना, नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल | गरी सकिएको | |

३.१.३ अस्थायी आवास तथा गैरखाद्य सामग्री

विषयगत क्षेत्रको नाम : अस्थायी आवास तथा गैरखाद्य सामग्री व्यवस्थापन
मुख्य विपद्को किसिम : बाढी, पहिरो आगलागी, कोभिड १९ र भूकम्प
क्षेत्रगत अगुवा : नेपाल रेडक्रस सोसाइटी सल्यान, जिल्ला शाखा
सम्पर्क व्यक्ति : सभापति

लक्ष्मी देवी हम्पागाड (खतिवडा)
प्रमुख जिल्ला अधिकारी,




अनुमानित अवस्था

विपद्बाट १५०० परिवार प्रभावित हुनसक्ने पूर्वानुमान गरिएको छ । विगतका विपद्हरूबाट प्रभावित भएका परिवारहरूको तथ्यांकलाई विश्लेषण गर्दा तत्काल अस्थायी आवास तथा गैरखाद्य सामग्री सहयोग गर्नुपर्ने ८०० घरपरिवारलाई आधार मानी विपद् प्रतिकार्य पूर्वतयारी योजना निर्माण गरिएको छ ।

रणनीति

- प्रकोप जोखिम तथा संकटासन्नताको नक्सांकन गर्न सरोकारवाला निकायसँग समन्वय तथा सहकार्य गर्ने ।
- विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना निर्माण गर्न स्थानीय तह तथा उप-शाखाहरूलाई सहयोग गर्ने ।
- विपद् प्रभावितहरूको लागि तत्काल राहत सामग्री (गैर खाद्य) कम्तीमा १० परिवारको लागि उप-शाखाव्यवस्थापनगर्ने ।
- खोज तथा उद्धार एवम् राहत कार्यमा स्थानीय तहमा रहेका तालीम प्राप्त जनशक्ति र रेडक्रस स्वयमसेवक परिचालन गर्ने ।


लक्ष्मी देवी हम्मागाईं (खतिवडा)
प्रमुख जिल्ला अधिकारी



विपद् प्रतिकार्य योजना

| विपद् पश्चातको अवधि | विपद्को अवस्थामा गरिने आपतकालीन कार्य (विपद्को प्रकृतिमा आधारित) | विपद्को अवस्थामा गरिने आपतकालीन कार्य | पूर्वतयारी कार्य सम्बोधन गर्न नपुग श्रोत पहिचान | मुख्य जिम्मेवार निकाय | पूर्वतयारी कार्यकोलागि अनुमानित लागत |
|---------------------|--|---|--|--|--------------------------------------|
| पहिलो दिन | विपद् प्रभावको सूचना स्थानीय स्वयंसेवकबाट सङ्कलन गर्ने । | सम्भावित विपद् जोखिम स्थानमा सञ्चार सयन्त्र स्थापना गर्ने । | सूचना संकलनको लागि अभिमुखीकरण नगरिएको । | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति | ०० |
| | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समितिको आकस्मिक बैठकको आयोजना | समितिका सबै सदस्यहरु एवम् सरोकारवाला निकायहरुको समर्पक व्यक्ति चयन र अद्यावधिक गर्ने | तालिम प्राप्त मानवीय श्रोतहरु पलायन हुने पर्याप्त DDRT तालिम प्राप्त पर्याप्त जनशक्ति उत्पादन गर्न नसकिएको । | जिल्ला विपद् व्यवस्थापन समिति | ५०,०००.०० |
| दोस्रो दिन | विपद् प्रतिकार्य समूह सदस्यहरुलाई सञ्चार गर्ने । | Assessment team members, DDRT, FA प्रशिक्षण प्राप्त स्वयंसेवकहरुको अद्यावधिक तथ्यांक राख्ने । | | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | ४५०००.०० |
| | विषयगत क्षेत्रको बैठक गर्ने । | सदस्यहरुको समर्पक अद्यावधिक गर्ने । | | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | २०,०००.०० |
| | द्रुत लेखाजोखा सम्बन्धी अभिमुखीकरण गर्ने । | लेखाजोखा फाराम छुपाई तथा विपद् प्रतिकार्य टोली निर्माण गर्ने । | DDRT समूहलाई तत्कालीन परिस्थिति र विपद्ग्रस्त समुदायको बारेमा अभिमुखीकरण गर्नुपर्ने । | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | २,००,०००.०० |
| | द्रुत लेखाजोखा टोली परिचालन एवम् प्रारम्भिक सूचना संकलन । | उपयुक्त यातायात तथा सञ्चारका साधन एवम् बन्दोवस्तीका सामग्रीहरुको व्यवस्था गर्ने । | यातायात तथा बन्दोवस्तीका सामग्रीहरु नभएको । | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | ५,००,०००.०० |
| | प्राप्त सूचनाको विश्लेषण तथा सहायता परिचालन गर्ने । | तथ्यांक विश्लेषणको लागि क्षेत्र सदस्यहरुको बैठक गर्ने । | क्षेत्र सदस्यहरुको समर्पकसूची तयार रहेको । | नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | ५०,००० |
| | विपद् प्रभावको आधारमा अस्थायी आवासको लागि त्रिपाल र खाना पकाउने भाँडावर्तन तथा उपलब्ध भएसम्म अन्य घरायसी सामग्री वितरण गर्ने । | प्रभावित परिवारको लागि नैरखाद्य सामग्री मौज्जात गर्ने । | तत्कालीन अवस्थामा आवासको लागि अतिरिक्त त्रिपाल, गुन्डी एवम् भाँडावर्तन नभएको । | जिल्ला प्रशासन कार्यालय, नेपाल रेडक्रस सोसाइटी | ३०,००,०००.०० |

लक्ष्मी देवी हमगाई (खतिवडा)
प्रमुख जिल्ला अधिकारी